डा0 रागिनी श्रीवास्तव

एसोशिएट प्रोफेसर, प्राचीन इतिहास विभाग

हरिश्चन्द्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय

वाराणसी

बी0ए0 तृतीय वर्ष, प्रथम प्रश्न पत्र

(Elements of Indian Archaeology)

पुरातत्व का अर्थ और अन्य प्राकृतिक विज्ञानों से सम्बन्ध

पुरातत्त्व

- 'पुरातत्व' शब्द अंग्रेजी भाषा के Archaeology शब्द का हिन्दी रूपान्तर है। यह शब्द यूनानी भाषा के दो शब्दों Archaios तथा Logos से मिलकर बना है – जिसका मूल अर्थ है 'पुरातन ज्ञान'।
- पुरातत्व आज एक विज्ञान है जो मानव सभ्यता एवं संस्कृति के भूतल में दबे अतीत को वैज्ञानिक ढंग से निकालकर उसका इतिहास प्रस्तुत करता है। एक ओर पुरातत्व मानव अतीत के उन पहलुओं को उजागर करता है जिनके बारे में कोई लिखित जानकारी नहीं है। दूसरी ओर पुरातत्त्व इतिहास को वह सामग्री प्रदान करता है, जिससे लिखित इतिहास की पुष्टि होती है और वास्तविक इतिहास का सृजन होता है।
- विद्धानों द्वारा इसे भिन्न–भिन्न प्रकार से परिभाषित किया हैः–

गार्डन चाइल्ड – के अनुसार ' पुरातत्व सुस्पष्ट भौतिक अवशेषों के माध्यम से मानव के क्रिया कलापों के अध्ययन को कहा जा सकता है।'

ग्राहम क्लार्क – के अनुसार ' पुरातत्व को मानव अतीत के इतिहास की रचना करने

के लिए पुरावशेषों के क्रमबद्ध एवं सुव्यवस्थित अध्ययन के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।'

ग्लिन डेनियल –के अनुसार ' पुरातत्व शब्द का प्रयोग दो प्रमुख अर्थ में किया जा सकता है– (1) मानव अतीत के भौतिक अवशेषों के अध्ययन (2) मानव के प्रागितिहासिक काल से सम्बन्धित पुरावशेषों के अर्थ में।

काल विभाजन

मानव जाति के विकास की व्यापक गाथा को तीन क्रमिक कालों में विभाजित किया जाता हैः–

1. **प्रागैतिहासिक काल (Prehistoric period)** : – वह काल जिससे सम्बन्धित पुरातात्विक साक्ष्य मिलते हैं किन्तु कोई भी लेखन सामग्री नहीं प्राप्त होती है, ऐसे अपठित समाज के इतिहास का अध्ययन प्रागैतिहासिक काल में किया जाता है।

2. **आद्यैतिहासिक काल (Protohistoric period)** : – वह काल जब पुरातात्विक साक्ष्य के साथ लिखित साक्ष्य भी मिलते हैं किन्तु वह अपठनीय अर्थात पढ़े न जा सकने के कारण किसी भी प्रकार से सम्बन्धित सभ्यता के किसी भी पक्ष की कोई भी जानकारी देने में सहायक न हो, ऐसे काल को आधैतिहासिक काल कहा जाता है।

3. **ऐतिहासिक काल (Historic period)** : – वह काल जिसके ज्ञान के लिए लिखित सामग्री उपलब्ध हो ऐतिहासिक काल माना जाता है।

पुरातत्व का अन्य प्राकृतिक विज्ञानों से सम्बन्ध

पुरातत्व अपने अनुसंधानों, अन्वेषण, परीक्षण, पर्यवेक्षण सम्बन्धी कार्यो को सम्पादित करने के लिए प्राकृतिक विज्ञान के अनेक विषयों से सहायता लेता है।

पुरातत्व एवं भूतत्त्व विज्ञान

- पुरातत्व का भूतत्व विज्ञान से घनिष्ठ सम्बन्ध है।
- पुरातत्व में स्तरीकरण का सिद्वान्त, प्रारम्भिक स्तरों से मिली सामग्री ऊपरी स्तरो से मिलने वाली सामग्री से प्राचीनतर होगी, भूतत्व विज्ञान से ही लिया गया है।
- भूगर्भीय निक्षेपो से प्राप्त मानवकृत पुरापाषाणिक उपकरण तथा अन्य पुरानिधियों का तिथिक्रम भूतात्विक कालों में निर्धारित किया जाता है।

- पुरापाषाणिक मानव का किन परिस्थितियों में सांस्कृतिक विकास हुआ इसकी सम्पूर्ण जानकारी भूतत्व विज्ञान के माध्यम से हो सकती है।

पुरातत्व एवं भौतिक विज्ञान

- पुरातत्व में तिथि निर्धारण की पोटैशियम आर्गन तथा रेडियों कार्बन प्राविधियाँ भौतिक विज्ञान से ही ली गयी हैं।
- रेडियो कार्बन प्राविधि द्वारा 30–40 हजार वर्ष पूर्व के पुरावशेषों का तिथि निर्धारण सरलता से हो जाता है। कतिपय सक्षम प्रयोगशालाओं में 70 हजार प्राचीन पुरावशेषों का भी तिथि निर्धारण सम्भव होता है।

पुरातत्व एवं रसायन

- उत्खनन से प्राप्त पुरावशेषों की समुचित सफाई का कार्य रसायनिक क्रियाओं द्वारा ही सम्भव है।
- पुरावशेषों को सुरक्षित रखने में भी विशेष रसायनिक विधियों का प्रयोग किया जाता है।
- रसायनशास्त्र पुराविद को इस तथ्य की भी जानकारी देता है कि पुरावशेषों व जीवाश्मों का निर्माण रासायनिक प्रक्रियाओं अथवा परिस्थितियों द्वारा सम्भव हुआ है।
- तिथि निर्धारण में भी मिट्टी, हड्डी, कोयले एवं अन्य पुरावशेषों का रासायनिक परीक्षण किया जाता है।

पुरातत्व एवं वनस्पति विज्ञान

- वनस्पति विज्ञान की पराग–विश्लेषण पद्वति का प्रयोग पुरातत्व में पुराकालीन जलवायु और वनस्पति की जानकारी के लिए किया जाता है।
- पुरातात्विक स्थलों के पर्यावरण में अम्लीय तत्व के अभाव की स्थिति में वहाँ की पुराकालीन वनस्पतियों के परागकण विनष्ट नहीं होते जिनके विश्लेषणों से तत्कालीन वनस्पति और जलवायु की जानकारी हो जाती है।
- वृक्ष वलय विश्लेषण भी वनस्पति विज्ञान की एक उपयोगी विधि है जिसका निरपेक्ष तिथि निर्धारण में पुरातत्व में उपयोग किया जात है।

पुरातत्व एवं प्राणि विज्ञान

- प्राणि विज्ञान की एक शाखा पुरा प्राणि विज्ञान है।
  विशेषतः इसी शाखा से पुरातत्व का सम्बन्ध रहता है।
- पुराप्राणिविद् जीवाश्मों के आधार पर ही कालक्रम का निर्धारण करते हैं।
- अतीत की जलवायु के विषय में भी प्राणि वैज्ञानिक पुराविद् को महत्वपूर्ण जानकारी देते हैं।

धन्यवाद